मंदिर में है श्याम | By Vikram Ajuba Chawla

मंदिर में है श्याम अकेला हमको खाटू जाने दो
लेने तो अब हाल धणी का, और अपना बतलाने दो
मंदिर में है श्याम अकेला .....

कितने दिनों से एक पिता ना बच्चो से मिल पाया है
दूर ही बैठे श्याम ने अपना सारा फ़र्ज़ निभाया है
हम बच्चों क़ो अपने पिता के हिवड़े से लग जाने दो
मंदिर में है श्याम अकेला .....

पहले तो हर ग्यारस पे हम श्याम से मिलके आते थे
कुछ यादें मन में भरके कुछ हल्का कर लाते थे
रोती आँखें दरस की प्यासी, नैन से नैन मिलाने दो
मंदिर में है श्याम अकेला .....

जिसकी चौखट हर हारे क़ो मिलता रहा सहारा है
जिसके मंदिर की सीढ़ी चढ़ होता रहा गुज़ारा है
बंद पड़े हैं द्वार वो कबसे, कहता सचिन खुल जाने दो
मंदिर में है श्याम अकेला .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-vikram-ajuba-chawla/